

वास्तविकता और भ्रम
REALITY
OR ILLUSION



THE LAMP

वास्तविकता और भ्रम

लेखक : *Rahul Kumar Puri*

प्रकाशन तिथि : 11/12/2024

प्रकाशक : *The Lamp*

.

.

.

.

MY REAL STORY

.

.

.

▪

▪

वास्तविकता और भ्रम

क्यों नहीं मिटती मेरे मन से वो दर्द भरी यादें,
वो सुबह, जब सच ने अपनी पहचान खो दी थी।
क्यों आज भी डरा हुआ हूँ,
खुद के लिए नहीं, अपने परिवार के लिए,
जिसे एक लड़ाई ने अंदर से कमजोर कर दिया।
और जिन्हें मैं संभाल नहीं पाया था।

क्यों वो लोग तमाशा देखते रहे,
जो कभी मेरे अपने होने का भ्रम रखते थे।
जो साथ निभाने का वादा किए बैठे थे,
आज उनके होंठों पर छिपी हुई मुस्कान थी।
क्या वास्तविकता इतनी कठोर होती है?
या भ्रम की रजाई ने सच्चाई छुपा रखी थी?

क्यों सत्य पर होते हुए भी मैं हार गया?
क्यों मेरे हाथों में सिर्फ असहायता थी?
क्यों कानून का साथ देने का वादा,
एक ठंडी हवा बनकर उड़ गया?

क्यों मेरे पिता के माथे पर लगी चोट से बहता वो खून,

मुझे याद दिलाता है कि मैं एक कायर हूँ?

पर क्या मैं कायर था?

या सिर्फ एक आदमी, जो संख्या में कमजोर था?

वो 300 की भीड़,

और हम सिर्फ 15,

पर उस भीड़ से ज्यादा मुझे चोट पहुंचाई,

मेरे अपनों की खामोशी ने।

मैं उस सुबह का अफसोस नहीं भूलूंगा,

पर अफसोस के साथ मैं एक प्रतीक्षा भी रखता हूँ,

वो प्रतीक्षा, जब मैं शब्दों से नहीं,

अपने कार्यों से अपनी पहचान बनाऊंगा।

मैं वो शेर बनूंगा,

जो कभी अपने शिकार की तलाश में नहीं भटकता,

पर जब वार करता है, तो धरती भी कांपती है।

क्यों दुनिया गोल दिखती है, पर सच तो चपटी है।

क्यों कानून अंधा है, और सत्य तो बेकार है?

क्यों भ्रम ने मुझे समझाया,

कि वास्तविकता का नाम सिर्फ एक धोखा है?

पर अब, मैं उस भ्रम को तोड़ूंगा।

मुझे याद है वो सुबह,

मेरे पिता के माथे पर लगी चोट से बहता वो खून,

और कुछ लोगों की वो हंसी,

जो मुझे चुपचाप खड़े होकर तिरस्कृत कर गई थी।

एक दिन, मैं बिना किसी शोर के,

अपने कर्मों से जवाब दूंगा।

क्योंकि अब मैं सिर्फ सोचता नहीं,

मैं करता हूँ।

और जिस दिन मेरा बदला पूरा होगा,

उस दिन वास्तविकता, भ्रम बन जाएगी।